कवन–3

(भाषा सीखने का नया नजरिया)

श्रवण कौशल
(Listening Skills)

मौखिक अभिव्यक्ति
कौशल
(Speaking Skills)

पठन कौशल
(Reading Skills)

लेखन कौशल
(Writing Skills)

दृश्य अवलोकन
कौशल
(Viewing Skills)

डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढीर
M.A (Gold Medal), M.Ed, Phd

नाम –

कक्षा –

विद्यालय –

'कवन' में कुछ खास

• उद्देश्य	Objectives	:- प्रकरण प्रारंभ करने से पूर्व उसके उद्देश्यों से परिचित करवाना।
• विचार मंथन	Statement of Inquiry	:- प्रकरण के मुख्य विषय (Theme) पर मंथन।
• विचारात्मक प्रश्न	Inquiry Questions	:- प्रकरण से पूर्व प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों की समझ विकसित करना।
• आइए शुरु करें	Let's Begin	:- प्रकरण प्रारंभ करने से पहले पूर्व भूमिका तैयार करना।
• माइंड मैप	Mind Map	:- संपूर्ण प्रकरण का क्रमवार सारांश
• शब्द संपदा	Vocabulary	:- प्रकरण में आए कठिन शब्दों से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।
• परिचर्चा	Discussion	:- इस विभाग के माध्यम से विद्यार्थी कक्षा में चर्चा करेंगे।
• पाठ के साथ–साथ		इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिंदी की अन्य विधाओं तथा साहित्यकारों से परिचित कराने का प्रयास किया गया है।
• परियोजना कार्य	Project Work	:- इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों को शोध करके अपना परियोजना कार्य पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित करना।
• विचार लेखन		:- इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों को विविध विधाओं के माध्यम से लिखकर अपने विचार अभिव्यक्त करने का अवसर दिया गया है।
• विचाराभिव्यक्ति		:- इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थी विविध विचारों को मौखिक रूप से अभिव्यक्त कर सकेंगे।
• गतिविधि	Activity	:- इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों को व्यक्तिगत अथवा सामूहिक गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना।
• स्व मूल्यांकन	Self Assessment	:- प्रकरण के अंत में विद्यार्थी अपनी समझ का मूल्यांकन स्वयं करेंगे।
• मानदंड	Rubrics	:- विद्यार्थी अपने किए गए कार्य की जाँच मानदंडों के आधार पर करेंगे।
• अन्य विषयों से संबंध	Subject Inegration	:- इस विभाग में पाठ को विद्यार्थी द्वारा पढ़े जाने वाले अन्य विषयों से जोड़ा गया है।
• वास्तविक जीवन से संबंध	Real life connection	:- इस विभाग में पाठ की सीख को वास्तविक जीवन से जोड़ने का प्रयास किया गया है
• वैश्विक संदर्भ	Global context	:- इस विभाग में पाठ के मूल विषय को वैश्विक संदर्भ में देखने का प्रयास किया गया है।
• चारित्रिक शिक्षा	Character Education	:- इस विभाग में विद्यार्थियों को अच्छा नागरिक बनाने की दृष्टि से उनके गुणों को विकसित करने का प्रयास किया गया है।

अनुक्रमणिका

गद्य एवं पद्य (Prose and Poetry)				
क्रम	प्रकरण	विधा	भाषायी कौशल (Language Skills)	पृष्ठ संख्या
1	बिस्कुट के पेड़	कविता	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	01
2	सच्चा मित्र	कहानी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	07
3	आलस बुरी बला	जीवनी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	14
4	गाजर-मूली का झगड़ा	एकांकी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	21
5	कंप्यूटर पर चिड़िया	कविता	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	31
6	गुरु और शिष्य	कहानी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	36
7	एकता की शक्ति	कहानी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	42
8	राजस्थान का स्वर्ग : माउंट आबू	लेख	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	48
9	सबसे पहले	कविता	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	62
10	दौड़ने का महत्त्व	कहानी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	70

व्याकरण एवं शब्दावली (Grammar and Vocabulary)			
1	चंद्रबिंदु	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	56
2	संयुक्ताक्षर	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	58
3	'र' के विविध रुप	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	61
4	विराम चिह्न (Punctuation)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	64
5	वचन (Number)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	66
6	संज्ञा (Noun)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	68

7	सर्वनाम (Pronoun)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	71
8	विशेषण (Adjective)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	73
9	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One word substitution)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	75
10	विलोम शब्द (Antonyms)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	76
11	पर्यायवाची शब्द (Synonyms)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	77

रचनात्मक लेखन (Creative Writings)

1	अनुच्छेद लेखन (Paragraph writing)	लेखन कौशल (Writing Skills)	104
2	अपठित गद्यांश (Unseen Passage)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	106
3	चित्र वर्णन (Picture composition)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	120

श्रवण कौशल (Listening Skills)

1	कहानी (Story)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	128
2	कविता (Poetry)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	130
3	वार्तालाप (संवाद) (Conversation)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	132

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (Speaking Skills)

1	मौखिक अभिव्यक्ति कौशल	मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (Speaking Skills)	135

दृश्य अवलोकन कौशल (Viewing Skills)

1	दृश्य अवलोकन कौशल	दृश्य अवलोकन कौशल (Viewing Skills)	140

गद्य एवं पद्य
(Prose and Poetry)

पठन कौशल
(Reading Skills)

- बिस्कुट का पेड़
- सच्चा मित्र
- आलस बुरी बला
- गाजर–मूली का झगड़ा
- कंप्यूटर पर चिड़िया
- गुरु और शिष्य
- एकता की शक्ति
- राजस्थान का स्वर्ग : माउंट आबू
- सबसे पहले
- दौड़ने का महत्त्व

गाजर–मूली का झगड़ा

मुख्य पात्र – गाजर – छात्र
मूली – छात्रा
लौकी मैम – (शिक्षिका)
बैंगन – (मॉनीटर)
सहजन, मिर्ची – छात्र/छात्रा

(स्कूल शुरू होने की घंटी बजती है। पर्दा खुलता है। इधर–उधर घूम रहे छात्र सब अपनी–अपनी जगह बैठने लगे हैं। मॉनीटर कक्षा में सबको देखने लगता है। गाजर–मूली आपस में बस्ता रखने को लेकर झगड़ने लगती हैं। मॉनीटर उनका नाम बोर्ड पर लिख देता है। तभी लौकी मैम का प्रवेश)

छात्र – सुप्रभात लौकी मैम.....।

मैम – सुप्रभात बच्चों! इतना शोर क्यों हो रहा था?

छात्र – (बड़ी नम्रता के साथ) सॉरी लौकी मैम.....।

मैम – इस क्लास का मॉनीटर कौन है? ..... बोर्ड पर गाजर मूली का नाम क्यों लिखा है?

बैंगन – मैम दोनों बस्ता रखने को लेकर कब से लड़ रही हैं। दोनों अपने–अपने गुण बताकर एक दूसरे को नीचा दिखाने में लगे हुए हैं। मेरी तो कोई सुनता ही नहीं।

(गाजर, मूली किस तरह लड़ी यह बात मॉनीटर मैम को बताता है।)

गाजर – (धमकाते हुए) चल हट, यह जगह क्या तेरी है? खिसक नहीं तो मार के लाल कर दूँगी।

मूली – बड़ी आई लाल करने वाला। मैं तो सफेद ही रहूँगी। तेरे कुछ गुण भी हैं या यूँ ही हेकड़ी दिखाती फिरेगी?

गाजर – गुण पूछ रही है..... ही...ही...ही...। अरे! जानती नहीं कि मैं विटामिन ए का मालकिन हूँ। लोग मुझे खा–खाकर अपनी आँखों की रोशनी बढ़ा लेते हैं। यदि किसी को रात में कम दिखाई देने लगे तो बस मुझे आजमाए। मुझे खूब खाए, फिर देखिए मैं कैसे उसकी दृष्टि बढ़ाती हूँ। ..... अब तू बता ..... विटामिन ए की मालकिन है तू?

मूली – बड़ा घमंड है तुझे अपने ऊपर ? भले ही मुझमें विटामिन ए नहीं मिलता, पर मैं भी आँखों को **तंदुरुस्त** रखने में मददगार हूँ। विटामिन बी–1, बी–2 दवारा मैं भी आँखों को ठीक रखती हूँ।

गाजर – ये विटामिन तो मुझमें भी होते हैं। इस प्रकार तू मेरी बराबरी नहीं कर सकती।

मूली – चल अब अपना अगला गुण बता।

गाजर – मुझमें विटामिन सी होता है। जब कोई खेलता–कूदता है और कहीं कट–फट जाता है तो बहते खून को मैं जमाने में मदद करती हूँ।

मूली – यह काम तो मैं भी करती हूँ। विटामिन सी तो मानव समाज को मैं भी देती हूँ। (टमाटर बड़ी देर से लड़ाई सुन रहा था। सब यही सोच रहे थे कि वह तो लड़ाई का मज़ा ले रहा था। उठकर आया और दोनों में **सुलह** कराने की दृष्टि से बोला)

टमाटर– तुम दोनों ही महान हो। तुम दोनों ही मनुष्य जाति की हड्डी को मज़बूत करते हो। उनकी आँखों को ठीक रखते हो। त्वचा को सुंदर बना, उन्हें निखार देते हो .... अब बैठो भी .....

(बैंगन टमाटर को अपनी जगह जाने का आदेश देता है)

मूली – बता तुझ में कौन–कौन से मिनरल्स होते हैं ?

गाजर – (थोड़ा याद करने के बाद) मिनरल्स.....। मैं लोगों के शरीर में सोडियम, फॉसफोरस पहुँचाता हूँ और इस प्रकार उनकी हड्डियों को मज़बूत करती हूँ। उनका वज़न सही रखने में मदद करती हूँ। ..... तू भला कौन–कौन से मिनरल्स रखती है ?

मूली – (तपाक से उत्तर दिया) मैं पोटेशियम, सोडियम और सल्फर की मालकिन हूँ। मॉंसपेशियों के विकास में सहायक हूँ। हड्डी भी मजबूत करती हूँ।

(सहजन जो अभी तक खिड़की पर लटका झूला झूल रहा था, दौड़ा आया। लड़ाई बंद कराने की कमान सँभाली)

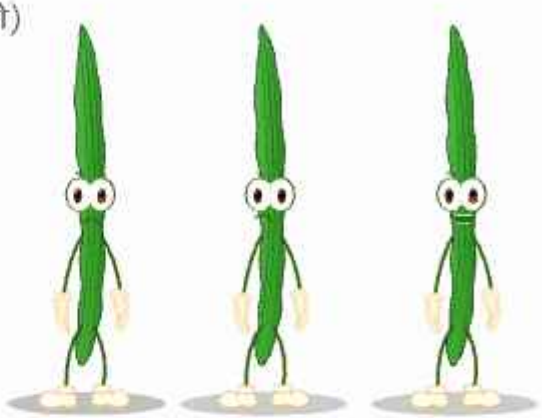

सहजन– अंग्रेज मुझे इम–स्टीक कहते हैं। जो बच्चे लड़ते–झगड़ते हैं और सब्ज़ी खाने में रुचि नहीं लेते, मैं उनकी पिटाई अपने चाबुक से करता हूँ। तुम दोनों लड़ाई बंद करो नहीं तो.....
.....

(बैंगन ने बीच–बचाव किया और सहजन को फिर से खिड़की पर लटका आया।..... देखता है कि हरी मिर्च वहाँ झगड़ा सुलह कराने पहुँच गई है।)

हरी मिर्च– अरे! तुम दोनों बड़े गुणी हो। क्या तुम्हें मालूम है कि तुम दोनों अमीनो एसीड बनाने में बहुत मददगार हो। इससे हृदय, फेफड़ा, लीवर, किडनी सब स्वस्थ रहते हैं। तुम दोनों ही डाइजेस्टिव जूस पैदा करते हो जिससे भोजन को पचाने में मदद मिलती है। इसलिए तुम दोनों को सलाद के रुप में खाया जाता है। मेरी दृष्टि में तो कोई भी कम नहीं है। अब लड़ाई बंद भी करो।

(हरी मिर्च की बात दोनों बड़े ध्यान से सुन रहे थीं, क्योंकि वह बड़ी मीठी बातें कर रही थी। बच्चे बे–वजह उससे डरते हैं पर गाजर अब भी हार मानने वाली कहाँ थी। लड़ाई को आगे बढ़ा ही दिया।)

गाजर – मेरा हलवा कितना बढ़िया बनता है। बच्चे, बूढ़े सब बड़े चाव से खाते हैं। तू तो बड़ी ही कड़वी तिक्त है। खाली कैंची की तरह मुँह चलाना जानती है।

मूली – मेरा हलवा क्यों बने? मेरे तो पराठे बनते हैं, पराठे। लोग चटकारे ले–लेकर खाते हैं।

बैंगन – गाजर अभी अपनी अगली विशेषता बताता कि मैम आप आ गईं। लड़ाई अपने आप बंद हो गई।

गाजर–मूली – (एक साथ) सॉरी मैम..... अब हम कभी नहीं लड़ेंगे।

मैम – (तुरंत पिघल गईं) मुझे खुशी इस बात की है कि तुम दोनों को अपने-अपने गुणों के बारे में पता तो है। लेकिन तुम लोगों को दूसरे के गुणों को भी देखना चाहिए न कि सिर्फ़ कमियों को। तुम दोनों में बहुत-सी समानताएँ भी हैं। तुम दोनों ही ज़मीन के भीतर पलती-बढ़ती हो। तुम दोनों के रूप-रंग भले ही अलग-अलग हैं, पर तुम दोनों की मानव समाज की सेवा समान भाव से करते हो। उन्हें रेशेदार भोजन उपलब्ध कराती हो। तरह-तरह के विटामिन व मिनरल्स देती हो जो मानव शरीर के लिए बहुत ही लाभदायक है। तुम एक ही जननी की संतान हो। तुम दोनों भाई-बहन हो। इसलिए अपने आपको महत्वपूर्ण समझो, पर साथ-साथ दूसरों को भी महत्व दो।

(क्लास खत्म होने की घंटी बजती हैं।) (पर्दा गिरता है) (समाप्त)

किसी बात को लेकर गाजर और मूली का झगड़ा हो जाता है। → झगड़ा करते हुए दोनों स्वयं को श्रेष्ठ साबित करने के लिए अपने-अपने गुणों को बताती हैं। → बीच-बीच में बैंगन और सहजन भी उनके झगड़े में कूद पड़ते हैं। → लौकी मैम झगड़ा सुलह कराने की कोशिश करती हैं। → दोनों की बातचीत से उनके गुण पता चलते हैं।

शब्द संपदा

खिसक – हट
रोशनी – प्रकाश
तंदुरुस्त – एकदम ठीक
सुलह – समाधान
दृष्टि – नज़र
तपाक – जल्दी
चाबुक – रस्सी या चमड़े का कोड़ा
चाव – इच्छा
तिक्त – तीखा
उपलब्ध – प्राप्त
लाभदायक – फायदा कराने वाला
रेशा – मूली के ऊपर के धागे जैसे तंतु
रुचि – पसंद, इच्छा

मुहावरे – हेकड़ी दिखाना – अभिमान करना

कमान सँभालना – जिम्मेदारी उठाना

प्रश्न– 1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

क– कक्षा में शोर क्यों हो रहा था ?

ख– विटामिन 'ए' क्या काम करता है ?

ग– कौन–सा विटामिन गाजर और मूली में समान होता है ?

घ– बहते खून को कौन जमाता है ?

ङ– झगड़ा बंद कराने की कोशिश किस–किसने की ?

च– लौकी मैम ने गाजर मूली को क्या समझाया ?

छ– यह एकांकी हमें क्या सीख देती है ?

प्रश्न– 2 किसने कहा ? मिलान कीजिए।

	अ	ब
1–	टमाटर	दोनों एक–दूसरे को नीचे दिखा रहे हैं।
2–	सहजन	मैं पोटेशियम, सोडियम और सल्फर की मालकिन हूँ।
3–	बैंगन	दोनों के कारण फेफड़ा, किडनी स्वस्थ रहते हैं।
4–	हरी मिर्च	सब्ज़ी न खाने वालों की पिटाई करता हूँ।
5–	गाजर	लेकिन तुम लोगों को दूसरे के गुणों को भी देखना चाहिए न कि सिर्फ कमियों को।
6–	मूली	मनुष्य की आँखें ठीक रखते हो।
7–	लौकी मैम	यदि किसी को रात को कम दिखाई देने लगे तो बसे मुझे अजमाए।

प्रश्न– 3 निम्नलिखित कथन सही हैं या गलत। सही पर ☑ और गलत पर ☒ का निशान लगाए। वाक्य सही हो या गलत उसे साबित करने के लिए पाठ का वह अंश भी लिखें जिससे पता चले कि वाक्य सही है या गलत।

क– मूली में विटामिन बी–1 और बी–2 होता है।

☑ सही कारण – _____

☐ गलत _____

ख– मूली और गाजर दोनों ही मनुष्य जाति की हड्डी को कमज़ोर करती हैं।

☐ सही कारण – _____

☐ गलत _____

ग– गाजर लोगों के शरीर में सोडिरूम और फॉसफोरस पहुँचाती है।

☐ सही कारण –

☐ गलत

घ– गाजर के पराठे बहुत स्वादिष्ट बनते हैं।

☐ सही कारण –

☐ गलत

प्रश्न– 3 वाक्य बनाइए–

क– घिसक ख– विटामिन ग– कोशिश घ– आदेश ङ– सुलह

प्रश्न– 4 उचित विराम चिह्न लगाकर वाक्य फिर से लिखिए।

क– मूली का नाम क्यों लिखा है

ख– अब हम कभी नहीं लड़ेंगे

ग– यह जगह क्या तेरी है

प्रश्न– 5 गाजर और मूली की विशेषताएँ लिखिए।

गाजर	मूली

प्रश्न– 6 सब्ज़ियों के नाम लिखिए–

ज़मीन के अंदर उगने वाली सब्ज़ियाँ	ज़मीन के बाहर उगने वाली सब्ज़ियाँ

अन्य विषयों से संबंध (Subject Integration)

विभिन्न प्रकार की सब्ज़ियों में कौन–कौन से विटामिन और अन्य पदार्थ होते हैं। अपने सामाजिक विज्ञान के अध्यापक से इस विषय पर चर्चा कीजिए।

वास्तविक जीवन से संबंध (Real life Connection)

आपकी माताजी आपके लिए विभिन्न प्रकार की सब्ज़ियाँ बनाती हैं। उनके नामों की सूची बनाइए।

अति प्रभावकारी लोगों की सात आदतें (Conection with 7 habits of highly effective people)

Habit - 5

(Seek First to Understand, Than to Be Understood)

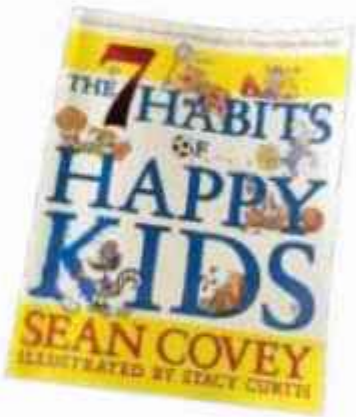

इस एकांकी में जिस तरह से गाजर और मूली का आपस में झगड़ा हुआ था। उसी प्रकार आपका और आपके मित्र का झगड़ा हो गया है। आप पाँचवी आदत (Habit-5) का उपयोग करके किस प्रकार झगड़ा सुलझाओगे।

वैश्विक संदर्भ (Global Context)

विभिन्न देशों में उगाई जाने वाली सब्ज़ियों के नाम बताइए।

चारित्रिक शिक्षा (Character Education)

प्रत्येक वस्तु और व्यक्ति का अपना महत्त्व है। हमें सबका सम्मान करना चाहिए।

समूह चर्चा

सब्ज़ियाँ के गुणों के बारे में चर्चा कीजिए।

पाठ के साथ–साथ

सब्ज़ी मंडी की मुलाकात लेकर दूसरी सब्ज़ियों के महत्व को जानिए।

परियोजना कार्य

सब्ज़ियाँ बीमारी में किस तरह उपयोगी हैं– इस पर चार्ट तैयार कीजिए।

विचार लेखन

'हरी सब्ज़ियाँ खाओ, स्वास्थ्य बनाओ।' विषय पर अनुच्छेद लेखन कीजिए।

विचाराभिव्यक्ति

'हम दूसरों को सम्मान देंगे, तो वे भी हमें सम्मान देंगे' इस विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

गतिविधि

समूह में सब्ज़ियों के नाम एवं उनके गुण लिखिए।

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

क्रम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	मैं सब्ज़ियों के महत्व को समझ चुका/चुकी हूँ।			
2	सभी में कुछ न कुछ गुण अवश्य होते हैं। इस बात से मैं सहमत हूँ।			
3	मैं इस एकांकी का मंचन कर सकता/सकती हूँ।			
4	मैं इस एकांकी में आए नए शब्दों का प्रयोग अपनी मौखिक प्रस्तुति में कर सकता/सकती हूँ।			

व्याकरण एवं शब्दावली
(Grammar and Vocabulary)

- संयुक्ताक्षर
- बिंदु (अनुस्वार) और चंद्रबिंदु (अनुनासिक) का प्रयोग
- ऋ मात्रा का प्रयोग
- 'र' के विविध रुप
- विराम चिह्न (Punctuation)
- वचन (Number)
- संज्ञा (Noun)
- सर्वनाम (Pronoun)
- विशेषण (Adjective)
- अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One word substitution)
- विलोम शब्द (Antonyms)
- पर्यायवाची शब्द (Synonyms)

बिंदु (अनुस्वार) और चंद्रबिंदु (अनुनासिक) का प्रयोग

बिंदु (अनुस्वार)	चंद्रबिंदु (अनुनासिक)
अनुस्वार एक व्यंजन ध्वनि है।	अनुनासिक स्वरों का गुण है।
अनुस्वार का चिह्न (ं) है।	अनुनासिक का चिह्न (ँ) है।
ङ्, ञ्, ण्, न्, म् वे व्यंजन हैं जो अनुस्वार के रूप में आते हैं।	जैसे– अँ, आँ, उँ, ऊँ, इँ, िँ, ईं, ीं, एँ, ें, ऐं, ैं, ओं, ों, औं, ौं वे स्वर हैं जिनके साथ अनुनासिक लगते हैं।
अनुस्वार के उच्चारण में नाक से अधिक हवा निकलती है।	अनुनासिक में मुँह और नाक दोनों से हवा निकलती है लेकिन मुँह से ज्यादा हवा निकलती है।
पंचमाक्षर को बिंदु में बदल दिया जाता है। जैसे रङ्ग – रंग कञ्चन – कंचन, घण्टा – घंटा, परन्तु – परंतु, सम्बन्ध – संबंध आदि।	अँ, आँ, उँ, ऊँ, एँ – ये पाँच स्वर ही ऐसे हैं, जहाँ ऊपर चंद्रबिंदु आता है। मात्राओं के साथ बिंदु ही आता है। जैसे – िं, ीं, ें, ैं, ों, ौं
अनुस्वार जिस वर्ण पर लिखा जाता है, उसके तुरंत बाद बोला जाता है। जैसे– अन्त – अंत आदि। अपने वर्ग में आने पर उसी वर्ग का पंचम वर्ण बोला जाता है। जैसे– शंख (क वर्ग), कंठ (ट वर्ग) लंबा (प वर्ग)	अनुनासिक को अलग से या किसी वर्ण के बाद नहीं बोला जा सकता। अनुनासिक उसी स्वर के साथ बोला जाता है जिस पर वह लगता है। जैसे– बूँद, ऊँट आदि।

अभ्यास

क– मिलान करो–

झंडा बूँद कंघा दाँत साँप

ख– शब्द में उचित स्थान पर चंद्रबिंदु लगाइए–

धुआ	अग	जगल	हसना	कुआ
रग	पख	हू	शतरज	आगन

ग– नीचे दिए गए शब्दों में उचित वर्ण लिखकर शब्द पूरा कीजिए–

जैसे– कौँटा कौँटा

चाँ _____

आँ _____

तां _____

सं _____

खाँ _____

गं _____

घं _____

घ– बिंदु वाले शब्द पर गोला और चंद्रबिंदु वाले शब्द पर बक्सा बनाइए–

यहाँ	बंद	अंडा	टाँग
ठंड	कहाँ	गेंद	हँसना
गाँव	पंजा	साँस	अंगूर
मुँह	पूँछ	पंखा	मंत्र

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

क्रम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	मैं बिंदु और चंद्रबिंदु वाले शब्दों की पहचान कर सकता/सकती हूँ।			
2	मैं वाक्य में बिंदु और चंद्रबिंदु का प्रयोग कर सकता/सकती हूँ।			

ग– **सही शब्द से खाली जगह भरो –**

1– ______________ पर कोई नहीं है। (माग, मार्ग)

2– तुषार को ______________ हो रहा है। (दर्द, दद्र)

3– ______________ गंदा न कर। (फ़श, फ़र्श)

4– नीरज ने ______________ तोड़ दिया। (दपर्ण, दर्पण)

घ– **नीचे दिए गए विकल्पों में से सही शब्द पर गोला करो –**

1–	प्रकाश	परकाश	पक्राश
2–	गरह	ग्रह	गह्र
3–	विकम्र	विकरम	विक्रम
4–	भ्रमण	भम्रण	भरमण

ङ– **‘ ॅ ’ के शब्दों पर गोला ◯ लगाओ और ‘ ्र ’ के शब्दों पर डिब्बा ☐ बनाओ।**

क्रम	धर्म	राम	तोता
पवन	पर्व	प्राण	सूर्य
धन	श्रम	धरती	कर्म

च– **‘र’ की सही मात्रा लगाकर शब्द पूरे करो–**

(्र)	प्राची	–	समुद्र	पेम	चक	गह
(्र)	ट्रक	–	टेन	डम	मेटो	टाम

छ– **शब्दों को सही जगह पर लिखिए –**

र ______ ॅ ______ ______ ______

______ ______ ______ ______

राष्ट्र, कम, ट्रैफिक, हर्ष,
बाहर, वीर, प्रिय, धर्म

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

क्रम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	मैं ‘र’ के विविध रूपों को समझ चुका/ चुकी हूँ।			
2	मैं ‘र’ के विविध रूपों का शुद्ध उच्चारण कर सकता/ सकती हूँ।			
3	मैं वाक्य में ‘र’ के अलग–अलग रूप पहचान सकता/ सकती हूँ।			

रचनात्मक लेखन
(Creative Writing)

अनुच्छेद लेखन
(Paragraph Writing)

अपठित गद्यांश
(Unseen Passage)

चित्र वर्णन
(Picture Composition)

अपठित गद्यांश (Unseen Passage)

उद्देश्य–

- विद्यार्थियों की व्यक्तिगत योग्यता एवं अभिव्यक्ति क्षमता को बढ़ाना।
- विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता को बढ़ाना।
- विद्यार्थियों की सोचने समझने की शक्ति का विकास करना।
- विद्यार्थियों में सही जानकारी का चयन करने की शक्ति का विकास करना।

अपठित का अर्थ है – अ+पठित। अर्थात जो पहले न पढ़ा गया हो।

उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए।

- पूरे गद्यांश को दो बार ध्यान से पढ़ें तथा उसका अर्थ समझें।
- अब आप नीचे दिए गए प्रश्नों को पढ़ें।
- ध्यान से पढ़ने के बाद जिन प्रश्नों के उत्तर मिलते जाएँ उन्हें रेखांकित करते जाएँ।
- जिन प्रश्नों के उत्तर अस्पष्ट रह गए हों उन्हें फिर से सावधानीपूर्वक पढ़ें।
- उत्तर स्पष्ट तथा संक्षिप्त होने चाहिए।
- उत्तर सरल भाषा में लिखें।

एक उदाहरण

एक बहुत गरीब मछुआरा था। वह बहुत मेहनत करता था, लेकिन इतनी मेहनत करने के बाद भी वह अपनी पत्नी और बच्चों के भोजन और कपड़ों के लिए बहुत कम पैसे बचा पाता था। एक दिन वह दोपहर को समुद्र के किनारे गया, उसने अपना जाल डाला और तब तक इंतजार किया जब तक जाल में कोई मछली फँस न जाए। उसे लगा कि जाल में कुछ फँस गया है। फिर उसने एक साथ डोरियों को इकट्ठा किया लेकिन ज्यादा वजनदार पाया।

उसने इसे ज़मीन पर खींचने की बहुत कोशिश की, लेकिन वह इसे खींच नहीं सका। फिर वह पानी में चला गया और उसे ऊपर लाया। उसने जाल खोला और उसमें तांबे का एक जार मिला। उसने इसे खोला और जार में सोने के सिक्के पाए। वह अमीर हो गया लेकिन स्वार्थी नहीं। उसने अपने गाँव में एक मंदिर बनवाया और सोने के सभी सिक्के मंदिर में दान कर दिए।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

क– प्रत्येक कथन के लिए सही या गलत लिखें –

1– मछुआरा एक बहुत बड़े घर में रहता था। गलत

2– वह ईमानदार था। सही

3– एक दिन उसे सोने के सिक्कों से भरा एक जार मिला। सही

अपठित गद्यांश – 4

संबंध– गाजर मूली का झगड़ा

टमाटर का इतिहास बहुत पुराना है। इसके इतिहास से लेकर आज तक एक बड़ा सवाल कायम रहा है कि 'टमाटर सब्जी है या फल ?' दरअसल, जिस सुर्ख टमाटर को अब तक आप महज सब्जी मानते आए हैं वह एक फल है। आपको जानकर हैरानी होगी कि टमाटर कोई ऐसा–वैसा फल नहीं है। बल्कि यह सेब की टक्कर का है। जितने गुण एक सेब में होते हैं उतने ही टमाटर में भी हैं। ताजा अध्ययनों के अनुसार टमाटर स्वास्थ्य के लिए बहुत गुणकारी है। घरों में टमाटर का उपयोग सब्जी के रूप में करने के साथ–साथ सलाद, चटनी तथा सूप आदि के रूप में भी किया जाता है। टमाटर का इस्तेमाल सलाद, सॉस, सब्जी, पुलाव व दाल में तो किया ही जाता है, टमाटर के सेवन से कैंसर होने का खतरा कम हो जाता है। अन्य बीमारियों में भी टमाटर लाभकारी माना गया है।

दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1– टमाटर सब्जी है या फल ?

2– टमाटर की तुलना किस फल से की गई है और क्यों ?

3– घरों में टमाटर का उपयोग किस प्रकार किया जाता है ?

4– इस गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

5– गद्यांश में से तीन संज्ञाएँ चुनकर लिखिए।

प्रश्न– 2 कोष्ठक में से दिए गए शब्दों का उपयोग करके खाली स्थान भरो –

(सेवन, गुणकारी, लाभकारी, इतिहास)

क– टमाटर स्वास्थ्य के लिए बहुत _____ है।

ख– टमाटर का _____ बहुत पुराना है।

ग– टमाटर के _____ से कैंसर होने का खतरा कम हो जाता है।

घ– अन्य बीमारियों में भी टमाटर _____ है।

श्रवण कौशल
(Listening Skills)

कहानी (Story)

कविता (Poem)

वार्तालाप (संवाद)
(Conversation)

श्रवण कौशल (Listening skills)

भाषा सीखने का प्रथम चरण 'श्रवण' है। श्रवण एक बुनियादी कौशल है। यह भाषा के चारों कौशलों में से पहला कौशल होता है। यह हमारे बाकी कौशलों को विकसित करता है। किसी बात को सुनने से ही हमारे मानसिक व शारीरिक कार्य संपन्न होते हैं। श्रवण सीखने में सहायक होता है। जो विद्यार्थी की समग्र शिक्षा को प्रभावित करता है। अन्य कौशलों में प्रवीण होने के लिए श्रवण कौशल बेहद जरूरी है।

श्रवण कौशल के उद्देश्य –

- सुनकर अर्थ ग्रहण करने की योग्यता का विकास करना।
- किसी भी श्रुत सामग्री को मनोयोग पूर्वक सुनने की प्रेरणा प्रदान करना।
- श्रुत सामग्री के विषय को भली–भाँति समझने की योग्यता उत्पन्न करना।
- श्रुत सामग्री का सारांश ग्रहण करने की योग्यता विकसित करना।
- वक्ता के मनोभावों– हर्ष, शोक, कोध, आश्चर्य, घृणा आदि को समझना।
- शुद्ध और अशुद्ध उच्चारण में भेद कर सकना।

श्रवण कौशल के विकास की विधियाँ – श्रवण कौशल के विकास की अनेक विधियाँ हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं–

1– श्रुतलेखन
2– भाषण सुनकर
3– समाचार सुनकर
4– उद्घोषणाएँ सुनकर
5– आदेश–निर्देश सुनकर
6– कहानी सुनकर
7– वाद–विवाद सुनकर
8– वार्तालाप सुनकर
9– प्रमुख हस्तियों के साक्षात्कार सुनकर
10– साहित्यिक व सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेकर
11– फिल्म समीक्षा सुनकर

कहानी

अब आप एक कहानी सुनेंगे। कहानी के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1– सही विकल्प पर निशान कीजिए।

1.1– कौए की परेशानी का क्या कारण था –

क– साँप ☐ ख– सियार ☐ ग– सैनिक ☐

1.2– योजना बनाई गई थी कि –

क– साँप को बाहर निकाला जाए। ☐
ख– साँप के बिल में कीमती वस्तु डाल दी जाए। ☐
ग– साँप को दूसरी जगह भेज दिया जाए। ☐

1.3– सैनिक तालाब के बाहर क्यों खड़े थे ?

क– राजकुमारी की चौकीदारी के लिए।

ख– वे तैरना नहीं जानते थे।

ग– आभूषण की चौकीदारी के लिए।

1.4– सैनिकों ने कौए का पीछा क्यों किया ?

क– हार के लिए

ख– साँप के लिए

ग– कौए के लिए

1.5– कौए का धीरे–धीरे उड़ने का कारण था ?

क– वह थक गया था।

ख– चोंच में ज़्यादा वज़न था।

ग– सैनिक देख सकें।

1.6– कहानी में कौन–सा पात्र समझदार है –

क– कौआ ख– साँप ग– सियार

1.7– कहानी में कौन–सी समस्या है ?

क– साँप का बच्चे खा जाना

ख– साँप का अंडे खा जाना

ग– साँप द्वारा घोंसला तोड़ना

1.8– समस्या का समाधान किसके द्वारा निकला ?

क– सियार द्वारा

ख– सैनिकों द्वारा

ग– कौए द्वारा

1.9– इस कहानी का उचित शीर्षक हो सकता है ?

क– साँप की परेशानी

ख– राजकुमारी और सैनिक

ग– कौआ और साँप

1.10 – सही–गलत लिखिए।

क– कौए बड़े जंगल में रहते थे। _____

ख– कौए ने सैनिकों की नज़र के सामने हार बिल में डाल दिया। _____

1.11 – खाली जगह भरो।

क– तने में एक _____ रहता था। (चूहा, साँप)

ख– साँप बहुत _____ था। (लंबा, ताकतवर)

1.12– इस कहानी से आप को क्या सीख मिलती है ?

_____

_____

श्रवण कौशल के मानदंड

	सदैव	अधिकतर	कभी-कभी	सुधार की आवश्यकता
घटनाकम की कमानुसार प्रस्तुति	सुनाई गई प्रस्तुति की सभी घटनाओं को कमानुसार प्रस्तुत करने में सक्षम	सुनाई गई प्रस्तुति की अधिकतर घटनाओं को कमानुसार प्रस्तुत करने में सक्षम	सुनाई गई प्रस्तुति की कुछ घटनाओं को कमानुसार प्रस्तुत करने में सक्षम	सुनाई गई प्रस्तुति की एक-दो घटनाएँ ही याद हैं वो भी कम में नहीं।
शांति एवं सजगता से सुनने की क्षमता	संपूर्ण प्रस्तुति को ध्यान से सुनने की क्षमता	संपूर्ण प्रस्तुति में एक-दो स्थान पर ध्यान भटका था।	संपूर्ण प्रस्तुति में तीन-चार बार ध्यान भटका था।	संपूर्ण प्रस्तुति में बारम्बार ध्यान भटकता रहा।
मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की पहचान	मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की पूर्णतया पहचान करने में सक्षम	मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की अधिकांशतः पहचान करने में सक्षम	मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की आंशिक पहचान करने में सक्षम	मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की पहचान करने में असफल
भाषा एवं शब्दावली का उचित प्रयोग	उत्तर अपनी भाषा में लिखना एवं शब्दावली आदि का विशिष्ट प्रयोग	उत्तर अपनी भाषा में लिखना एवं शब्दावली आदि का सामान्य प्रयोग	उत्तर अपनी भाषा में न लिखकर प्रस्तुति की भाषा का प्रयोग करना एवं शब्दावली आदि का सामान्य प्रयोग	प्रस्तुति की भाषा को ज्यों-त्यों का उतार देना एवं अति साधारण शब्दावली का प्रयोग

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

कम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	मैं श्रवण कौशल पर आधारित प्रश्नों को हल करने में सक्षम हूँ।			
2	मैं श्रवण संबंधी निर्देशों को समझ चुका/ चुकी हूँ।			
3	मैं उत्तर लिखते समय उचित भाषा एवं शब्दावली का प्रयोग कर सकता हूँ।			
4	मैं प्रस्तुति के मुख्य विषय एवं विशिष्ट उद्देश्यों की पहचान कर सकता/सकती हूँ।			
5	मानदंड के आधार पर मैं अपनी श्रवण प्रस्तुति का मूल्यांकन कर सकता/सकती हूँ।			

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल

(Oral Expression Skills / Speaking skills)

भाषायी कौशल (Language Skills)

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल
(Oral Expression Skills/Speaking)

भाषा सीखने का द्वितीय चरण 'मौखिक अभिव्यक्ति' है। मनुष्य सामाजिक प्राणी है। वह अपने विचारों का आदान–प्रदान करना चाहता है। इस कार्य के लिए वह भाषा के दो रूपों का प्रयोग करता है– मौखिक और लिखित रूप। ''जब व्यक्ति ध्वनियों के माध्यम से भाषा को उच्चरित करता है तो उसे मौखिक अभिव्यक्ति कहते हैं।'' इसे बोलचाल भी कहते हैं। अतः मुख से व्यक्त होने वाली भाषा मौखिक भाषा है।

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल के उद्देश्य –

- बोलने में उचित हाव–भाव, आरोह–अवरोह तथा नाटकीयता का निर्वाह करना।
- देखी व सुनी घटनाओं का वर्णन करना।
- हर्ष, शोक, क्रोध, आश्चर्य आदि अपने मनोभावों को भावपूर्ण ढंग से अभिव्यक्त करना।
- अपने विचारों को शुद्ध, स्पष्ट, रोचक तथा प्रभावपूर्ण ढंग से व्यक्त करना।
- विद्यार्थियों के शब्द भंडार में वृद्धि करना।
- विचार एवं भावानुकूल शब्दावली का चयन करने की कला सिखाना।

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल के विकास की विधियाँ – मौखिक अभिव्यक्ति कौशल के विकास की अनेक विधियाँ हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं–

1– प्रस्तुतिकरण	6– स्वरचित रचना
2– यात्रा वर्णन	7– उद्घोषणा
3– पुस्तक समीक्षा	8– भाषण
4– फिल्म समीक्षा	9– चर्चा
5– समाचार	10– एकांकी और नाटक

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल – 1

1– कक्षा में विद्यार्थियों के समक्ष कोई मनोरंजक चुटकुला सुनाइए।

2– कक्षा में विद्यार्थियों के समक्ष अपनी किसी बस यात्रा/रेल यात्रा/हवाई यात्रा को अपने शब्दों में सुनाइए।

3– कक्षा में विद्यार्थियों के समक्ष अपनी किसी मनपसंद फिल्म के संवाद सुनाइए।

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल – 2

दिए गए चित्र में सभी आपस में क्या बातें कर रहे होंगे ? सोचकर अपने सहपाठी के साथ चर्चा कीजिए।

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल – 3

चित्र का परीक्षण करके एक कहानी/घटना सुनाइए।

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल – 4

दिए गए चित्रों को उचित कम देकर एक कहानी सुनाइए।

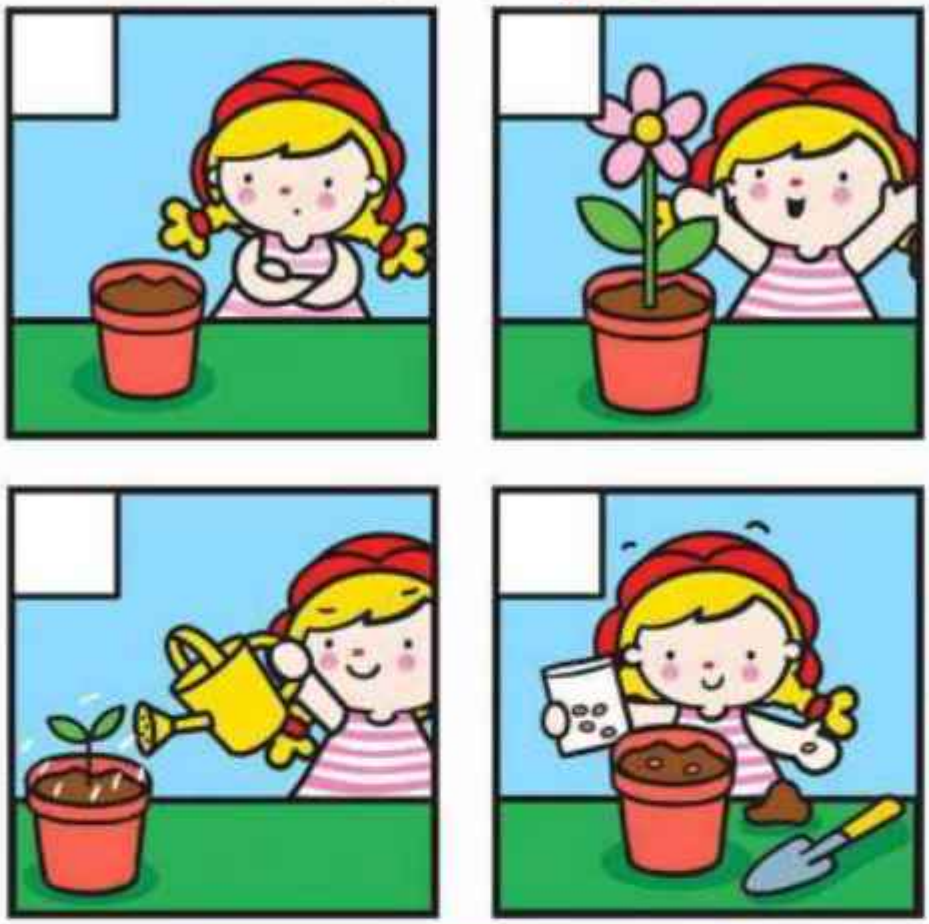

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल – 5

निम्नलिखित विषयों पर आठ से दस वाक्य बोलकर सुनाइए।

1– मुझे अपने माता–पिता क्यों अच्छे लगते हैं।
2– मेरे बारे में मेरे भाई–बहन की राय
3– मेरी पसंद का खाना
4– काश! मैं उड़ पाता
5– मेरी सबसे बड़ी इच्छा
6– मेरा प्रिय कार्टून का पात्र
7– मेरी प्रिय पुस्तक
8– मेरी प्रिय फिल्म
9– छुट्टी का एक दिन
10– मेरा प्रिय खेल

मौखिक अभिव्यक्ति के मानदंड

	सदैव	अधिकतर	कभी–कभी	सुधार की आवश्यकता
बोधगम्यता	प्रस्तुति के सभी मुद्दे समझ में आए।	प्रस्तुति के अधिकतर मुद्दे समझ में आए।	प्रस्तुति के कुछ विचार और विवरण स्पष्ट थे।	प्रस्तुति के अधिकांश विचार और विवरण अस्पष्ट थे।
भाषा और वाक्य रचना	विवरण में संयुक्त वाक्यों का प्रयोग एवं विचारों में क्रमिकता	विवरण में सरल वाक्यों का प्रयोग एवं विचारों में क्रमिकता	विवरण करते समय वाक्य रचना शिथिल एवं विचारों में कहीं–कहीं क्रमिकता का अभाव	विवरण करते समय वाक्य एक दूसरे से जुड़े हुए नहीं थे। विचारों में क्रमिकता का अभाव
भाषा, शब्दावली का प्रयोग	व्याकरण एवं नए शब्दों, वाक्यांशों एवं मुहावरों का प्रयोग। दोहराव नहीं।	व्याकरण एवं नए शब्दों, वाक्यांशों का प्रयोग। कहीं–कहीं पर दोहराव।	बुनियादी व्याकरण एवं कुछ नए शब्दों, वाक्यांशों का प्रयोग। कई स्थानों पर दोहराव।	बुनियादी व्याकरण एवं नए शब्दों, वाक्यांशों का अभाव। कई स्थानों पर दोहराव।
प्रवाहिता एवं आधार	एक–दो बार ही नोट्स देखे। प्रस्तुति में कोई ध्यान देने योग्य ठहराव या संकोच नहीं।	कई बार नोट्स देखे। प्रस्तुति में कुछ ध्यान देने योग्य ठहराव या संकोच।	अक्सर नोट्स पर निर्भर। प्रस्तुति में बार–बार ध्यान देने योग्य ठहराव या संकोच	बिना नोट्स पढ़े बोलने में असमर्थ।

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

क्रम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	मैं मौखिक अभिव्यक्ति कर सकने में सक्षम हूँ।			
2	मैं मौखिक अभिव्यक्ति संबंधी निर्देशों को समझ चुका/चुकी हूँ।			
3	मैं प्रस्तुति करते समय समय उचित भाषा एवं शब्दावली का प्रयोग कर सकता/सकती हूँ।			
4	मैं प्रस्तुति के विषय को समझकर नोट्स बनाने में सक्षम हूँ।			
5	मानदंड के आधार पर मैं अपनी मौखिक अभिव्यक्ति कौशल का मूल्यांकन कर सकता/सकती हूँ।			

दृश्य अवलोकन कौशल
(Viewing Skills)

भाषायी कौशल (Language Skills)

दृश्य अवलोकन कौशल (Viewing skills)

हम एक ऐसी डिजिटल दुनिया में रह रहे हैं। हम चारों ओर से मोबाइल, कैमरा, इंटरनेट आदि से घिरे हुए हैं। अतः अब भाषा में चार कौशलों के साथ एक कौशल और आ गया है जिसे हम दृश्य अवलोकन कौशल कह सकते हैं।

दृश्य अवलोकन कौशल के उद्देश्य–

- विद्यार्थियों अर्थ ग्रहण करने की योग्यता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में निरीक्षण शक्ति का विकास करना।
- विद्यार्थियों में विश्लेषण क्षमता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में कल्पनाशीलता का विकास करना।

दृश्य अवलोकन कौशल के विकास की विधियाँ– दृश्य अवलोकन कौशल के विकास की अनेक विधियाँ हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं।

1– चित्र/तस्वीर दिखाकर
2– आकृति/प्रतीक दिखाकर
3– वीडियो दिखाकर
4– फिल्म/विज्ञापन दिखाकर
5– चित्रों से कहानी बनाकर
5– अलग–अलग चित्रों में अंतर ढूँढ़कर

दृश्य अवलोकन कौशल – 1

दिए गए चित्र का अवलोकन करते हुए किन्हीं आठ गलतियों पर गोला कीजिए।

दृश्य अवलोकन कौशल – 4

चित्र देखकर सही उत्तर पर ☑ का निशान लगाइए ।

1– **चित्र में कौनसा त्योहार दिखाया गया है ?**
क– होली ☐ ख– दीपावली ☐ ग– रक्षाबंधन ☐

2– **तीनों के चेहरे पर कौन से भाव हैं ?**
क– दुख के ☐ ख– आश्चर्य के ☐ ग– खुशी के ☐

3– **लड़के ने क्या पहनी है ?**
क– जींस ☐ ख– पायजामा ☐ ग– धोती ☐

4– **माँ ने कौन से रंग की साड़ी पहनी है ?**
क– लाल ☐ ख– हरी ☐ ग– नीली ☐

5– **चित्र में घर का कौनसा हिस्सा दिखाया गया है ?**
क– रसोईघर ☐ ख– कमरा ☐ ग– छत ☐

6– **लड़के के हाथ में कितने दीपक हैं ?**
क– दो ☐ ख– तीन ☐ ग– चार ☐

7– **लड़की दीपक कहाँ रख रही है ?**
क– दीवार पर ☐ ख– बालकनी में ☐ ग– रंगोली के बीच में ☐

8– **माँ के हाथ में किस रंग की चूड़ियाँ हैं ?**
क– पीली ☐ ख– हरी ☐ ग– नीली ☐

दृश्य अवलोकन कौशल के मानदंड

	सदैव	अधिकतर	कभी-कभी	सुधार की आवश्यकता
अवलोकन	चित्र/दृश्य का अच्छी तरह से अवलोकन किया है।	चित्र/दृश्य का अवलोकन किया है।	चित्र/दृश्य का आंशिक रूप से अवलोकन किया है।	चित्र/दृश्य का अवलोकन करते समय बहुत सी बातों की ओर ध्यान नहीं दिया।
समझ एवं तार्किकता	चित्र/दृश्य में दर्शायी गई स्थिति और काल खंड को ध्यान में रखकर तार्किकता के साथ प्रभावकारी प्रस्तुति	चित्र/दृश्य में दर्शायी गई स्थिति और काल खंड को ध्यान में रखकर तार्किकता के साथ सामान्य प्रस्तुति	चित्र/दृश्य में दर्शायी गई स्थिति को समझकर की गई प्रस्तुति	चित्र/दृश्य में दर्शायी गई स्थिति को बिना समझे की गई प्रस्तुति
पठन एवं अर्थग्रहण	चित्र/दृश्य को समझकर उसका उचित अर्थबोध करने में सक्षम।	चित्र/दृश्य को सही ढंग से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध सीमित।	चित्र/दृश्य को आंशिक रूप से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध सीमित।	चित्र/दृश्य को आंशिक रूप से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध अस्पष्ट।

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

क्रम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	मैं चित्र / दृश्य का सही प्रकार से अवलोकन कर सकता / सकती हूँ।			
2	मैं चित्र / दृश्य को देखकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दे सकता / सकती हूँ।			
3	मानदंड के आधार पर मैं चित्र / दृश्य का मूल्यांकन कर सकता / सकती हूँ।			